स्थापना वर्ष–1961

''विद्या ददाति विनयम्''

S.R.T. COLLEGE DHAMRI

Godda, Jharkhand - 814160

A Constituent Unit of
Sido Kanhu Murmu University, Dumka

PROSPECTUS

विवरणिका

website : srt.ac.in

srtcollege.dhamri.godda@gmail.com

Sponsored by JSHEC
Organised by SRT COLLEGE, DHAMRI

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

श्री रघुनन्दन तिवारी महाविद्यालय, धमड़ी, गोड्डा संथाल परगना के आदिवासी बहुल एवं शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रसार के उद्देश्य से स्थापित एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है। इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1961 में महान समाजसेवी, शिक्षाप्रेमी एवं दानवीर स्वर्गीय रघुनन्दन तिवारी (भूदाता) की दूरदर्शी सोच एवं उदार परोपकार का परिणाम है। उन्होंने महाविद्यालय की स्थापना हेतु लगभग 23 एकड़ 96 डिसमिल भूमि दान कर क्षेत्र में शिक्षा के एक नए युग का सूत्रपात किया तथा समाज के समग्र विकास के प्रति अपनी अद्वितीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

महाविद्यालय की स्थापना एवं विकास यात्रा में संस्थापक प्राचार्य स्वर्गीय श्री लक्ष्मण पाण्डेय तथा प्रो. महादेव झा सहित अनेक शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों का उल्लेखनीय योगदान रहा है। उनके सतत प्रयास, समर्पण एवं सहयोग के परिणामस्वरूप यह संस्थान आज क्षेत्र में उच्च शिक्षा के एक सशक्त केन्द्र के रूप में स्थापित है।

प्रारम्भिक वर्षों में महाविद्यालय में कला एवं विज्ञान संकाय के अंतर्गत इंटरमीडिएट एवं स्नातक स्तर की शिक्षा संचालित की जाती थी। वर्तमान में महाविद्यालय में कला, विज्ञान एवं okf.kT; संकाय के अंतर्गत केवल स्नातक स्तर की शिक्षा संचालित की जा रही है। विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल दिया जाता है। शिक्षण के अतिरिक्त राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC), खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, सेमिनार, कार्यशालाएँ, अध्ययन भ्रमण तथा सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित किया जाता है।

महाविद्यालय को 1971–72 में तत्कालीन भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर से संबद्धता प्राप्त हुई तथा 14 अक्टूबर, 1982 को इसे अंगीभूत महाविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ। वर्तमान में यह महाविद्यालय सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका का एक प्रतिष्ठित अंगीभूत महाविद्यालय है तथा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आज श्री रघुनन्दन तिवारी महाविद्यालय, धमड़ी उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों, अनुशासित शैक्षणिक संस्कृति तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण क्षेत्र के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ज्ञान, नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय मूल्यों से युक्त सक्षम, संवेदनशील एवं उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण ही इस संस्थान का मूल उद्देश्य है। शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं समाजोपयोगी गतिविधियों के माध्यम से महाविद्यालय क्षेत्र एवं राष्ट्र के समग्र विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सतत प्रतिबद्ध है।

Dr. Shambhu Kumar Singh
Principal
S.R.T. College, Dhamri, Godda
S.K.M.U, Dumka, Jharkhand

प्राचार्य का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षाप्रेमियों, आप सभी का एस.आर.टी. कॉलेज, धमड़ी स्वागत करती है |

हमारा महाविद्यालय इस विश्वास के साथ कार्य करता है कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व की आधारशिला है। संथाल परगना की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत तथा सिदो-कान्हू के प्रेरणादायी संघर्ष से प्रेरणा लेते हुए हम विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, मूल्यपरक एवं समावेशी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अनुरूप महाविद्यालय में शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास तथा व्यावहारिक शिक्षा के विविध अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। हमारे समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास विकसित करने हेतु निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद एवं सामुदायिक सहभागिता को भी विशेष महत्व दिया जाता है, ताकि विद्यार्थी सर्वांगीण विकास प्राप्त कर सकें और एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

मुझे विश्वास है कि हमारा महाविद्यालय प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को निखारते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। आइए, हम सभी ज्ञान, अनुशासन, उत्कृष्टता और सेवा की भावना के साथ एक सशक्त एवं समृद्ध समाज के निर्माण में योगदान दें।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य एवं सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्राचार्य
डॉ० शंभू कुमार सिंह
एस.आर.टी. कॉलेज, धमड़ी, गोड्डा
सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,
दुमका, झारखंड

एस. आर. टी. कॉलेज, धमड़ी, गोड्डा में पदस्थापित प्राचार्यों का कार्यकाल

क्र.	नाम	कब से कब तक
1	श्री लक्ष्मण पाण्डेय	1967 - 20.11.1986
2	श्री देवनन्दन सिंह	21.11.1986 - 31.07.1991
3	श्री सुकेश प्रसाद लाल	01.08.1991 - 30.11.1992
4	श्री सत्यदेव प्रसाद सिंह	01.12.1992 - 23.09.1993
5	श्री अभय कुमार तिवारी	24.09.1993 - 14.09.1998
6	डा0 सिकन्दर प्रसाद यादव	15.09.1998 - 26.03.1999
7	श्री अभय कुमार तिवारी	27.03.1999 - 21.02.2009
8	डा0 सिकन्दर प्रसाद यादव	24.02.2009 - 04.08.2010
9	श्री अभय कुमार तिवारी	05.08.2010 - 23.12.2015
10	श्री विपीन बिहारी पाण्डेय	24.12.2015 - 31.10.2016
11	श्री गुरूदेव झा0	01.11. 2016 - 30.09.2018
12	डा0 विनोद कुमार	01.10.2018 - 31.01.2020
13	श्री दीनानाथ मिश्रा	31.01.2020 - 17.04.2021
14	डा0 महेश्वर गोईत	20.04.2021 - 29-02-2024
15	श्री निमाई चन्द्र दास	01-03-2024- 20-06-2025
16	डा0 शंभु कुमार सिंह	20-06-2025 कार्यरत

प्रवेश सम्बन्धी नियम

- महाविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के आधार पर ही नामांकन किया जाता है।
- प्रवेश के इच्छुक छात्रों को परीक्षाफल प्रकाशित होने के बाद ऑनलाइन (CHANCELLOR PORTAL) आवेदन करना होगा।
- ऐसे आवेदन पत्रों पर जो आदेश होंगे वे महाविद्यालय के सूचनापट पर प्रकाशित किये जायेंगे। नामांकन के इच्छुक छात्र/छात्राएँ आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन या ऑफ़ लाइन के माध्यम से करेंगे।
- प्रवेश का आधार योग्यता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, OBC-1, OBC-2 एवं EWS में उल्लेखित जातियों के लिए प्रवेश में कुछ छूट है। इस छूट को पाने के लिए ऐसे छात्र अपने आवेदन पत्र के साथ इस विषय का सक्षम अधिकारी से प्राप्त प्रमाण-पत्र की छाया प्रति अवश्य संलग्न करें। इस प्रमाण-पत्र के अभाव में कोई छूट नहीं मिलेगी।

विषय (Subject)	प्रवेश क्षमता (Intake)
Physics	60
Chemistry	60
Mathematics	90
Life Science	120
Geography	180
Political Science	180
History	180
Sociology	60
Hindi	180
English	120
Economics	120
Philosophy	30
TOTAL	**1,380**

नामांकन के लिए आवश्यक अभिलेख

- विद्यालय/महाविद्यालय छोड़ने का मूल प्रमाण-पत्र (SLC/CLC)
- अंक पत्र की छाया प्रति।
- मूल माइग्रेशन प्रमाण-पत्र (JAC के अतिरिक्त)
- पासपोर्ट साईज का चार नवीनतम फोटो।
- पिछली परीक्षा के प्रवेश पत्र की छाया प्रति।
- पंजीयन अथवा सूचीकरण प्रपत्र।
- यदि कोई छात्र माध्यमिक परीक्षा या विश्वविद्यालय परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद किसी भी महाविद्यालय में प्रविष्ट हो चुका हो तो उस महाविद्यालय का स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (TC)।
- निर्धारित शुल्क।

SUBJECTS	BOYS		GIRLS	
	FROM JAC	FROM OTHER BOARD	FROM JAC	FROM OTHER BOARD
MAJOR IN A PRACTICAL SUBJECTS	Rs. 1500	Rs.1700	Rs. 1300	Rs. 1500
MAJOR IN A NON- PRACTICAL SUBJECTS	Rs. 1300	Rs. 1500	Rs. 1100	Rs. 1300

Courses Structure

Semester - wise Course Code and Credit Points for Single Major during the First Three Years of FYUGP

Semester	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational & Internship Courses		Credits	
	Code	Papers	Paper	Semester
I	AEC-1	Language and Communication Skills (MIL-1; Modern Indian language Hindi/ English)	2	20
	VAC-1	Value Added Course-1	2	
	IKS-1	Indian Knowledge System-I/Social Awareness Activities	2	
	SEC-1	Skill Enhancement Course-1	3	
	MDC-1	Multi-disciplinary Course-1	3	
	AC-1	Associated core courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	
	MJ-1	Major paper 1 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
II	AEC-2	Language and Communication Skills (MIL-1; Modern Indian language English/ Hindi)	2	20
	VAC-2	Value Added Course-2	2	
	IKS-2	Social Awareness Activities/ Indian Knowledge System-I	2	
	SEC-2	Skill Enhancement Course-2	3	
	MDC-2	Multi-disciplinary Course-2	3	
	AC-2	Associated core courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	
	MJ-2	Major paper 2 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
III	AEC-3	Language and Communication Skills (MIL-2; MIL including TRL)	2	20
	SEC-3	Skill Enhancement Course-3	3	
	MDC-3	Multi-disciplinary Course-3	3	
	ELC-1	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	
	MJ-3	Major paper 3 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-4	Major paper 4 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
IV	AEC-4	Language and Communication Skills (MIL-2; MIL including TRL)	2	20
	VAC-3	Value Added Course-3	2	
	ELC-2	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	
	MJ-5	Major paper 5 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major having IKS)	4	
	MJ-6	Major paper 6 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-7	Major paper 7 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
V	ELC-3	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-8	Major paper 8 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-9	Major paper 9 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-10	Major paper 10 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-11	Major paper 10 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
VI	ELC-4	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-12	Major paper 12 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-13	Major paper 13 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-14	Major paper 14 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-15	Major paper 15 (Disciplinary/ Interdisciplinary Major)	4	
Total Credits excluding one Internship (IAP) of 4 credits =			**120**	**120**

Note: It is mandatory to take One Internship of 4 credits in any one of the semesters during the first three years in FYUGP or before exit at any of the exit points if a student wishes to opt for the same.

Semester - wise Course Code and Credit Points for Single Major during Fourth Year of FYUGP for Bachelor's Degree (Honours with Research)

Semester	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational & Internship Courses		Credits	
	Code	Papers	Paper	Semester
VII A	ELC-5	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-16	Major paper 16 (Research Methodology)	4	
	MJ-17	Major paper 17 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-18	Major paper 18 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	RC-1	Research proposal – Planning & Techniques (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
VIII A	ELC-6	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-19	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-20	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	RC-2	Research Internship/Field Work/Project/Dissertation/Thesis	8	
Total Credits excluding one Internship of 4 credits =			160	160

Semester - wise Course Code and Credit Points for Single Major during Fourth Year of FYUGP for Bachelor's Degree (Honours with Research)

Semester	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational & Internship Courses		Credits	
	Code	Papers	Paper	Semester
VII B	ELC-5	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-16	Major paper 16 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-17	Major paper 17 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-18	Major paper 18 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	AMJ-1	Major paper 19 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
VIII B	ELC-6	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-19	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-20	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	AMJ-1	Advanced Major paper-1 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	AMJ-2	Advanced Major paper-2 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
Total Credits excluding one Internship of 4 credits =			160	160

Semester - wise Course Code and Credit Points for Single Major during the Fourth Year Years of FYUGP for Bachelor's Degree (with Postgraduate Diploma)

Semester	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational & Internship Courses		Credits	
	Code	Papers	Paper	Semester
VII C	ELC-5	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-16	Major paper 16 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-17	Major paper 17 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-18	Major paper 18 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	JOC-1	Skill based Job Oriented paper (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
VIII C	ELC-6	Elective courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational	4	20
	MJ-19	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	MJ-20	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	JOC-2	Skill based Job Oriented paper (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
	JOC-3	Skill based Job Oriented paper (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4	
Total Credits excluding one Internship of 4 credits =			160	160

Note: Abbreviations used in Tables-8A, & 8B & 8C:

AEC	Ability Enhancement Courses
SEC	Skill Enhancement Courses
IAP	Internship/Apprenticeship/ Project
IKS	Indian Knowledge System
MDC	Multidisciplinary Courses
ELC	Elective Courses
MJ	Major Disciplinary/Interdisciplinary Courses
AC	Associated core courses from discipline/ Interdisciplinary/ vocational
MN	Minor Disciplinary/Interdisciplinary/vocational Courses
AMJ	Advanced Major Disciplinary/Interdisciplinary Courses
RC	Research Courses
JOC	Skill based Job Oriented course

7. Nature of Different Types of Courses in a Programme

7.1 **Lecture courses:** Courses involving lectures relating to a field or discipline by an expert or qualified personnel in a field of learning, work/vocation, or professional practice. A minimum of 15 hours of teaching per credit in a semester is recommended.

7.2 **Tutorial courses:** Courses involving problem-solving and discussions relating to a field or discipline under the guidance of qualified personnel in a field of learning, work/vocation, or professional practice.

7.3 **Practicum or Laboratory work/activity:** A course requiring students to participate in a project or practical or lab activity that applies previously learned/studied principles/theory related to the chosen field of learning, work/vocation, or professional practice under the supervision of an expert or

परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसकी स्थापना विद्यार्थियों के ज्ञान एवं अधिगम परिणामों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय मूल्यांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई। विभाग संबद्ध विश्वविद्यालय, UGC तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परीक्षा प्रणाली का संचालन करता है। विभाग आंतरिक मूल्यांकन, सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षाएँ, प्रायोगिक परीक्षाएँ, परियोजना कार्य एवं वाइवा का सफल संचालन करता है। परीक्षा कार्यक्रम, आवेदन, प्रवेश पत्र, प्रश्नपत्र एवं उत्तरपुस्तिकाओं का सुरक्षित प्रबंधन, परिणामों का समयबद्ध प्रकाशन तथा परीक्षा अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण इसकी प्रमुख जिम्मेदारियाँ हैं।परीक्षा नियंत्रक (Controller of Examinations)परीक्षा नियंत्रक विभाग के प्रमुख अधिकारी हैं, जो प्राचार्य, IQAC, विभागाध्यक्षों एवं विश्वविद्यालय के साथ समन्वय स्थापित कर परीक्षा संबंधी सभी गतिविधियों का प्रभावी संचालन करते हैं। वे गोपनीयता, पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करते हुए परीक्षा प्रणाली को सुदृढ़ बनाते हैं। परीक्षा विभाग का स्टाफपरीक्षा नियंत्रक के मार्गदर्शन में विभाग का शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय स्टाफ परीक्षा संचालन, गोपनीय अभिलेखों के संधारण, परिणाम तैयार करने तथा विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी सेवाएँ प्रदान करने का कार्य दक्षता एवं उत्तरदायित्व के साथ करता है।विभाग का उद्देश्य निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं विद्यार्थी-केंद्रित परीक्षा प्रणाली विकसित करना है, जो UGC एवं NAAC के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता को निरंतर सुदृढ़ बनाए।

परीक्षा संबंधी नियम

Semester 1	Semester 2	Semester 3	Semester 4
Credit : 20 SPGA : 6.9	Credit : 20 SPGA : 7.8	Credit : 20 SPGA : 7.0	Credit : 20 SPGA : 8.0
Semester 5	**Semester 6**		
Credit : 20 SPGA : 7.3	Credit : 20 SPGA : 8.6		

Thus, CGPA- = $$\frac{20 \times 6.9 + 20 \times 7.8 + 20 \times 7.0 + 20 \times 8.4 + 20 \times 7.3 + 20 \times 8.6}{20+20+20+20+20+20}$$

$$= \frac{138+156+140+168+146+172}{120} = 7.66$$

Transcript (Format) :

Based on the above recommendations on Letter grades, grade points, SGPA and CCPA, the HEIs may issue the transcript for each semester and a consolidated transcript indicating the performance in all semesters.

Evaluation of Learning Outcome

1. Semester Internal Theory Examination in Major, Minor and Rescarch Courses will be organized at the College/ Institution level. However, Only One End semester evaluation in other courses will be done either at the College/Institution or University level depending upon the nature of the course in the curriculum.
2. For the units of evaluation (namely tests, seminars, presentations, class performance, fieldwork, thesis and others) the weightage assigned to each of such units in respect of each course shall be determined by the appropriate academic body of the university and shall be made known to the students at the beginning of the academic session of the year, the semester as the case may be.
3. The question papers for the examinations shall be set in such a manner as to ensure that they cover the entire syllabus of the concerned course.
4. The tests and examinations shall aim at evaluating not only the student's ability to recall information, which he/she had memorized but also his/her understanding of the subject and ability to synthesize scattered bits of information into a meaningful whole. Some of the questions shall be analytical and invite original thinking or application of theory.
5. Semester Internal Theory Examination (each of 1 hour) in Courses will be

organized at the College/Institution level.

6. There shall be only one Practical Examination (each of 6 hours) in each semester for each paper separately.
7. Practical Examinations will be conducted by One External & One Internal Examiner.
8. There will be Only One Semester Internal Examination in Major, Minor and Research Courses, which will be organized at the college/institution level.
9. Out of 100 Marks, the Semester Internal Theory Examination (each of 1 hour) in the Practical subjects will be of 15 marks and in non-practical subjects will be of 25 marks.
10. 15 Marks in Theory Examination of Practical subjects may include 10 Marks questions from the Written Examination/ Assignment Project/ Tutorial wherever applicable and 5 marks will be awarded on the attendance/overall class performance in the semester.
11. 25 Marks in Theory Examination of Non-Practical subjects may include 20 Marks questions from Written Examination/ Assignment/ Project/ Tutorial wherever applicable and 5 marks will be awarded on the attendarice/ overall class performance in the semester.
12. To convert attendance into marks a suggestive range is provided here. However, institutions may develop their range:

    [Attendance Uplo45% I mark: 45<Attd. <55, 2 marks, 55<Atud. <65, 3 marks; 65<Attd.<75, 4 marks: 75<Attd, 5 marks].

Marks Distribution Pattern

<table>
<tr><th>Subjects</th><th>Credits</th><th colspan="2">FM</th><th>Semester Internal Examination</th><th colspan="2">End Semester University Examination</th></tr>
<tr><td>Ability Enhancement Courses</td><td>2</td><td colspan="2">50</td><td>----</td><td colspan="2">50</td></tr>
<tr><td>Value Added Courses</td><td>2</td><td colspan="2">50</td><td>----</td><td colspan="2">50</td></tr>
<tr><td>Skill Enhancement Courses</td><td>3</td><td colspan="2">75</td><td>----</td><td colspan="2">75</td></tr>
<tr><td>Multidisciplinary Courses</td><td>3</td><td colspan="2">75</td><td>----</td><td colspan="2">75</td></tr>
<tr><td>Minor Courses</td><td>4</td><td colspan="2">100</td><td>25</td><td colspan="2">75</td></tr>
<tr><td>Major Courses</td><td>4</td><td colspan="2">100</td><td>25</td><td colspan="2">75</td></tr>
<tr><td>Advanced Major</td><td>4</td><td colspan="2">100</td><td>25</td><td colspan="2">75</td></tr>
<tr><td>Research Courses</td><td></td><td colspan="2"></td><td></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>i. Research Methodology (Core course) (F.M.-100)</td><td>4</td><td colspan="2">100</td><td>25</td><td colspan="2">75</td></tr>
<tr><td>ii. Research Proposal (Planning and Techniques) (F.M.-100)</td><td>4</td><td colspan="2">100</td><td>25</td><td colspan="2">100</td></tr>
<tr><td>iii. Thesis & others (F.M.-200)</td><td>8</td><td colspan="2">200</td><td>----</td><td colspan="2">200</td></tr>
<tr><td>Internship</td><td>4</td><td colspan="2">100</td><td>----</td><td colspan="2">Grade Points Awarded By The Concemed Organization And Validated By The College/university</td></tr>
<tr><td>Non-Practical Subjects (MJ/MN)</td><td>4</td><td colspan="2">100</td><td>25</td><td colspan="2">75</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Practical Subjects (MJ/MN)</td><td rowspan="2">4</td><td>T</td><td>P</td><td>T</td><td>T</td><td>P</td></tr>
<tr><td>75</td><td>25</td><td>15</td><td>60</td><td>25</td></tr>
</table>

1. To get a promotion from Semester II to Semester III, from Semester IV to Semester V, and from Semester VI to Semester VII a student has to procure a minimum of 4 CGPA.
2. However, it will be necessary to obtain a minimum credit (4) to pass in each of the courses individually before completion of the course.
3. Credits earned from recognized online courses may be considered a component for fulfilling the criteria for promotion. If any student fails to secure passing marks in a course offered through the regular offline mode in the institution, then they may be allowed to procure the required credits from any recognized online course offered by SWAYAM, MOOCs, or other sources designated/approved by the University.

Research Courses :

1. Research Methodology [1x4-4 Credits]

   In Semester VII, students will undertake a 4-credit course in Research Methodology. This core course will cover research methods relevant to their specific subject, equipping them with the foundational skills needed for conducting research. This course will be one of the compulsory core courses in Semester VII.

2. Research Proposal - Planning and Techniques [1x4 - 4 Credits]

   Also in Semester VII, students will be engaged in a 4-credit, activity-based course focused on planning and techniques for research proposal development. This course will involve the creation of a research project or proposal, reviewing related literature, and gathering necessary data. It will encompass techniques for laboratory work, practicums, field-based projects, survey analyses, and internships.

3. Research Internship & Dissertation/Thesis [1x8 = 8 Credits]

   In Semester VIII, students will complete an 8-credit course involving a research internship and the preparation of a dissertation/thesis. This course will include laboratory work, practicums, field projects, survey analyses, or internship-based projects. Students must submit a comprehensive research report and defend their dissertation/thesis. The evaluation will consider the following :

   - Project dissertation design
   - Methodology and content depth
   - Participation in an internship programme with a reputed organization
   - Application of research techniques in data collection
   - Data Analysis
   - Report presentation
   - Presentation style
   - Results and discussion
   - Future scope
   - References

4. Marks distribution may be as follows or adjusted as appropriate:

   - Assessment of Project Synopsis : 50 marks
   - Assessment of Project Thesis : 100 marks

समाजशास्त्र विभाग

समाजशास्त्र विभाग एस.आर.टी. महाविद्यालय, धमड़ी, गोड्डा का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक अंग है, जो स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को समाज, सामाजिक संस्थाओं, संस्कृति, सामाजिक संबंधों तथा मानवीय व्यवहार का वैज्ञानिक एवं समग्र अध्ययन कराने के लिए समर्पित है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, तार्किक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, मानवीय संवेदनशीलता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना है, ताकि वे समाज की जटिल संरचनाओं एवं समकालीन सामाजिक चुनौतियों को समझने और उनके समाधान में सार्थक योगदान देने में सक्षम बन सकें।

विभाग का पाठ्यक्रम सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अध्ययन का संतुलित समावेश है। नियमित कक्षाओं के साथ-साथ संगोष्ठियों, समूह चर्चाओं, क्षेत्रीय अध्ययनों, परियोजना कार्यों तथा सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन, ग्रामीण एवं नगरीय समाज, सामुदायिक जीवन, सामाजिक समस्याओं तथा विकास संबंधी विषयों की गहन समझ विकसित करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

विभाग विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी एवं शोधोन्मुख शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराता है, जहाँ उन्हें स्वतंत्र चिंतन, नवाचार, अनुसंधान तथा अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के अनुभवी एवं समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों को सतत शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उनमें विश्लेषणात्मक क्षमता, अनुसंधान कौशल, नैतिक मूल्यों तथा नेतृत्व गुणों का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

समाजशास्त्र विभाग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, शोध, अध्यापन, सामाजिक कार्य, गैर-सरकारी संगठनों, लोक प्रशासन, विकास योजनाओं तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। ज्ञान, संवेदनशीलता, सामाजिक प्रतिबद्धता एवं उत्कृष्टता के मूल्यों से प्रेरित यह विभाग ऐसे उत्तरदायी, जागरूक एवं आत्मविश्वासी नागरिक तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जो राष्ट्र एवं समाज के समग्र विकास में सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभा सकें।

Mr. Nimai Chandra Das
Assistant Professor
Head of the Department

Dr. Pallavee Kumari
M.A. (Gold Medalist)
Assistant Professor

Dr. Abhay Dubey
Assistant Professor

दर्शनशास्त्र विभाग

> दर्शनशास्त्र विभाग विद्यार्थियों को मानवीय चिंतन, अस्तित्व और ज्ञान के मूल प्रश्नों पर गहन अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। विभाग में भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के साथ-साथ आधुनिक दार्शनिक विमर्श का संतुलित परिचय कराया जाता है।

Mr. Niraj Kumar
Assistant Professor Cum Bursar
Head of the Department

पाठ्यक्रम :

- **तर्कशास्त्र (Logic) :** विचार की शुद्धता एवं युक्तिसंगतता का अध्ययन।
- **धर्म दर्शन (Philosophy of Religion) :** आस्था, ईश्वर और धार्मिक अनुभवों की दार्शनिक व्याख्या।
- **परमार्थ (Metaphysics) :** अस्तित्व एवं वास्तविकता के मूल स्वरूप पर चिंतन।
- **ज्ञानमीमांसा (Epistemology) :** ज्ञान की प्रकृति, स्रोत एवं सीमाओं का विश्लेषण।
- **भारतीय दर्शन (Indian Philosophy) :** वेदांत, न्याय, सांख्य, बौद्ध एवं जैन परंपराओं का अध्ययन।
- **पाश्चात्य दर्शन (Western Philosophy) :** प्लेटो, अरस्तु से लेकर आधुनिक दार्शनिकों तक की विचारधारा।

विभागीय उद्देश्य :

- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक सोच का विकास।
- भारतीय एवं पाश्चात्य परंपराओं के तुलनात्मक अध्ययन द्वारा वैश्विक दृष्टिकोण का निर्माण।
- नैतिकता, धर्म एवं समाज से जुड़े प्रश्नों पर गहन विमर्श को प्रोत्साहन।

Department of Political Science

The Department of Political Science SRT College Dhamri is committed to fostering critical thinking, democratic values, and an informed understanding of political institutions and global affairs. This department provides a strong academic foundation in political theory, public administration, international relations, and constitutional studies.

Through interactive lectures, seminars, debates, and workshops, students develop analytical, communication, and leadership skills essential for public service and diverse professional careers. The department encourages active participation in academic and co-curricular activities, preparing students to become responsible citizens and future leaders.

Our dedicated faculty members mentor students with a focus on academic excellence, ethical values, and practical understanding of contemporary political issues, enabling them to contribute meaningfully to society.

In this department studying near about 250 students in every semester.

Mr. Maheshwar Ram Indwar
Assistant Professor
Head of The Department

Mr. Nand Lal Paswan
Assistant Professor

इतिहास विभाग

इतिहास विभाग, एस.आर.टी. कॉलेज, धमडी, गोड्डा का एक प्रमुख एवं सशक्त शैक्षणिक अंग है, जो विद्यार्थियों में इतिहास के प्रति गहन रुचि, ऐतिहासिक चेतना, आलोचनात्मक दृष्टिकोण तथा शोधपरक चिंतन विकसित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। विभाग का उद्देश्य केवल अतीत की घटनाओं का अध्ययन कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को इतिहास के माध्यम से वर्तमान समाज को समझने तथा भविष्य के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है। हमारा विश्वास है कि इतिहास केवल तिथियों और घटनाओं का संकलन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के विकास, संघर्ष, उपलब्धियों, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक परिवर्तन की सतत यात्रा का सजीव दस्तावेज है। विभाग का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय इतिहास के साथ-साथ विश्व इतिहास के विविध आयामों का व्यवस्थित एवं गहन अध्ययन कराया जाता है। साथ ही इतिहास लेखन की विभिन्न पद्धतियों, ऐतिहासिक स्रोतों, अभिलेखों, पुरातात्त्विक साक्ष्यों, सांस्कृतिक धरोहरों तथा सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक परिवर्तनों का अध्ययन भी कराया जाता है, जिससे विद्यार्थियों में तथ्यपरक विश्लेषण, तार्किक चिंतन और शोधपरक दृष्टिकोण का विकास हो सके।

संथाल परगना की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान है। वीर क्रांतिकारी एवं उनके नेतृत्व में 1855 में हुए ऐतिहासिक ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष की अमिट गाथा लिखी। इस गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेते हुए विभाग विद्यार्थियों में अपने इतिहास, संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सम्मान और जागरूकता विकसित करने का सतत प्रयास करता है।

अध्ययन-अध्यापन को अधिक प्रभावी एवं अनुभवपरक बनाने के उद्देश्य से विभाग समय-समय पर संगोष्ठियों, व्याख्यानमालाओं, अध्ययन भ्रमणों, ऐतिहासिक स्थलों के शैक्षणिक भ्रमण, समूह चर्चाओं, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, परियोजना कार्यों तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित ज्ञान को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ने तथा इतिहास के विविध पक्षों को व्यापक दृष्टिकोण से समझने का अवसर प्राप्त होता है।

विभाग के समर्पित, अनुभवी एवं विद्वान शिक्षक विद्यार्थियों के शैक्षणिक, बौद्धिक तथा नैतिक विकास के लिए सदैव मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करते हैं। विभाग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान, प्रतियोगी परीक्षाओं, पुरातत्त्व, अभिलेखागार, संग्रहालय, पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, शिक्षण तथा प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर अवसरों के प्रति भी प्रेरित एवं मार्गदर्शित करता है। अपने उत्कृष्ट शिक्षण, अनुसंधानोन्मुख वातावरण तथा विविध शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से इतिहास विभाग ऐसे जागरूक, उत्तरदायी, संवेदनशील एवं राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिकों के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है, जो अतीत से प्रेरणा लेकर वर्तमान को समझें और ज्ञान, विवेक तथा मानवीय मूल्यों के आधार पर भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

Dr. Dev
Assistant Professor
Head of the Department

Dr. Bipin Kumar
Assistant Professor

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग का उद्देश्य स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को पृथ्वी की भौतिक विशेषताओं, मानवीय गतिविधियों तथा पर्यावरण के साथ उनके पारस्परिक संबंधों की समग्र समझ प्रदान करना है। विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण को भी समान महत्व दिया गया है। विद्यार्थियों को मानचित्र अध्ययन, मानचित्रण (कार्टोग्राफी), क्षेत्रीय सर्वेक्षण (फील्ड सर्वे) तथा भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) एवं दूरसंवेदी तकनीक (Remote Sensing) की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराया जाता है। इससे उनमें विश्लेषणात्मक, अवलोकनात्मक तथा व्यावहारिक कौशल का विकास होता है। अध्ययन-अध्यापन को अधिक प्रभावी एवं अनुभवपरक बनाने के उद्देश्य से विभाग समय-समय पर संगोष्ठियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों, क्षेत्रीय भ्रमणों तथा अन्य अकादमिक गतिविधियों का आयोजन करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित ज्ञान को वास्तविक भौगोलिक परिस्थितियों से जोड़ने का अवसर प्राप्त होता है, जिससे उनके आत्मविश्वास और व्यावहारिक समझ में वृद्धि होती है।

विभाग के शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण शैक्षणिक विकास के लिए सदैव मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करते हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा भूगोल एवं संबंधित क्षेत्रों में उपलब्ध विविध रोजगार अवसरों के प्रति भी प्रेरित किया जाता है। अपने शिक्षण, शोध एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से भूगोल विभाग जागरूक, उत्तरदायी तथा पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिकों के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

Dr. Zeba Anwar
Assistant Professor
Head of the Department

Department of Economics

"Education is not merely the acquisition of knowledge; it is the cultivation of wisdom, character, and the ability to contribute meaningfully to society." It is my privilege to welcome you to the Department of Economics, an integral academic pillar of S.R.T. College, Dhamri, Godda. The Department is dedicated to fostering academic excellence by creating an environment where knowledge is pursued with curiosity, critical inquiry, and a deep sense of social responsibility. Economics, as a vibrant and ever-evolving social science, provides a comprehensive understanding of the processes that shape individuals, societies, and nations. It equips students with the analytical skills required to understand economic behaviour, public policy, sustainable development, financial systems, and the efficient management of scarce resources. In an increasingly interconnected world, the discipline empowers learners to interpret contemporary economic challenges and develop informed, evidence-based solutions. Our endeavour goes far beyond the completion of the prescribed curriculum. We strive to cultivate intellectual curiosity, research aptitude, analytical thinking, ethical values, leadership qualities, and a lifelong commitment to learning. Through classroom instruction, academic discussions, seminars, research-oriented activities, and community engagement, the Department seeks to develop well-rounded individuals who are academically competent, professionally prepared, and socially conscious. As a proud constituent of S.R.T. College, Dhamri, Godda, the Department remains committed to upholding the institution's vision of quality education, inclusiveness, innovation, and service to society. We firmly believe that higher education should not only prepare students for successful careers but also inspire them to become responsible citizens capable of addressing the socio-economic challenges of our time with integrity, compassion, and confidence.

I am confident that the Department of Economics will continue to strengthen its tradition of academic excellence through dedicated teaching, meaningful research, and continuous innovation. Together, we aspire to empower our students with the knowledge, skills, values, and vision necessary to emerge as competent economists, enlightened professionals, and responsible nation-builders who will contribute positively to society and the country's sustainable development. I warmly welcome all aspiring students to the Department of Economics and wish them a fulfilling academic journey marked by learning, growth, and success.

Dr. Govind Kumar
Assistant Professor
Head of the Department

हिन्दी विभाग

फैकल्टी प्रोफाइल

महाविद्यालय में हिंदी विभाग का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण और केंद्रीय होता है, यह कला/ मानविकी संकाय का प्रमुख हिस्सा है जो छात्रों को उनकी मातृभाषा, साहित्य और राष्ट्रीय गौरव से जोड़ता है। यहां स्नातक स्तर पर हिंदी भाषा, साहित्य का इतिहास, काव्य नाटक और उपन्यास पढ़ाये जाते हैं, वर्तमान में साहित्य के अतिरिक्त अब प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद के माध्यम से छात्रों के लिए पत्रकारिता और अनुवादक के क्षेत्र में रोजगार के द्वार खुल रहे हैं। इस विभाग के द्वारा महाविद्यालय में अक्सर वाद विवाद, निबंध लेखन, काव्य गोष्ठी और वाद विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। हिंदी दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को कार्यक्रम का आयोजन इस विभाग के नेतृत्व में किया जाता है। इस विभाग का उद्देश्य न केवल छात्रों को भाषा का ज्ञान देना है बल्कि उनमें नैतिक मूल्य, सांस्कृतिक चेतना और आलोचनात्मक सोच भी विकसित करना है। पूरे महाविद्यालय में हिंदी विभाग की अपनी एक अलग पहचान है, यह विभाग शालीनता और अनुशासन का प्रतीक है। इस विभाग में दो शिक्षिकाएं दो सुंदर पुष्प की तरह हैं और इस विभाग के विद्यार्थी पुष्प गुच्छ।

श्रीमती एलिजाबेथ मरांडी
सहायक प्राध्यापक
एम. ए. नेट

श्रीमती पुनीत सुरीन
सहायक प्राध्यापक
एम. ए. नेट

Department of English

Roughly speaking, English stands to be one of the most spoken and written language all over the world. Nearly half of the World 's population is well versed in this language.It is proved by many native and non -native speakers that English is in efficient language world- wide.As an assistant professor (Head Department of English), communicator, researcher and explorer, I firmly believe that learning English is very easy. If we practice a little bit daily, then we can overcome it. In my long years of teaching experience, I consider that every one can read, write and speak English very easily. When we talk about English Department, the department is fully devoted for the sake of teaching. The main aim of the department is to strength students' capabilities, moral, critical and analytical thinking. They must understand the value of daily teaching and learning.We support students everytime.our teaching strategies is unique and extraordinary. We provide extra knowledge to the students so further they could become as a job oriented aspirants.Since I joined the College,

Vision : To involve students into a hub of excellence English learning education, transforming it from a language of standard classes into a language of rural background students. To create a centring global citizen who can create their own thoughts with clear vision and straightforward understanding of human values.

Mission :

- **Conversational specialized skills :** To bridge the gap of local unban divide by crea (L.S.R.W) through labs and informative session.
- **Enhancing capabilities :** To instruct students, analyze questions and interpret texts so that students could develop their own thought process.
- **Self Independence :** To grow awareness in English language and conversational skills so that they could become as job oriented and good citizen of the state.
- **Accuracy of Reading and writing :** To make students pure and competent in English in listening, speaking, reading and writing basically who come from rural background.

Mr. Jai Shankar Tiwari
Assistant Professor
Head of the Department

Department of Physics

The Department of Physics at S.R.T. College, Dhamri, Godda is an integral part of the Faculty of Science and plays a vital role in promoting scientific knowledge, analytical thinking, and a spirit of innovation among students. The department is committed to providing quality education that combines a strong theoretical foundation with practical understanding, enabling students to explore the fundamental laws of nature and their applications in everyday life as well as in modern technology. Physics is one of the major disciplines offered at the undergraduate level in the college.In line with the National Education Policy (NEP) and the university curriculum, the department offers a comprehensive programme covering Mechanics, Thermodynamics, Optics, Electricity and Magnetism, Electronics, Modern Physics, and Atomic and Nuclear Physics. The curriculum is designed to develop conceptual clarity, scientific curiosity, and critical thinking while encouraging students to apply their knowledge to real-world problems.The department places equal emphasis on classroom learning and laboratory-based practical training. Well-equipped laboratories provide students with opportunities to perform experiments, develop technical skills, and gain hands-on experience with scientific instruments. In addition, seminars, project work, National Science Day celebrations, and other academic activities help students strengthen their analytical abilities, problem-solving skills, creativity, and research aptitude.The Department of Physics aspires to nurture scientifically aware, responsible, and confident graduates who are prepared to pursue higher education, research, teaching, industry, and emerging technological fields. Through its commitment to academic excellence and holistic development, the department continues to contribute to the mission of S.R.T. College, Dhamri, Godda in shaping knowledgeable citizens and future scientists capable of making meaningful contributions to society and the nation.

Dr. Ajay Kumar Kant
Assistant Professor
Head of the Department

Department of Chemistry

The Department of Chemistry at S.R.T. College, Dhamri, a constituent unit of Sido Kanhu Murmu University (SKMU), Dumka, is committed to imparting quality higher education and promoting excellence in chemical sciences through innovative teaching, practical learning, and research-oriented education. The department provides undergraduate instruction in Organic, Inorganic, Physical, Analytical, and Environmental Chemistry.

Aligned with the vision of the National Education Policy (NEP) 2020, the department follows a multidisciplinary, flexible, and outcome-based curriculum that integrates academic knowledge with practical skills, research aptitude, innovation, and entrepreneurship. Through skill enhancement courses, experiential learning, project work, environmental awareness initiatives, and value-based education, students are empowered to become competent professionals, responsible citizens, and lifelong learners capable of contributing to sustainable scientific and technological development.

Mission :

- To impart quality education in chemical sciences through effective teaching-learning practices.
- To promote scientific temper, analytical thinking, and research-oriented learning among students.
- To provide practical and skill-based education aligned with the National Education Policy (NEP) 2020.

Faculty Profile :

Dr. Md Atif Qaiyum joined the Department of Chemistry, S.R.T. College, Dhamri, in September 2025 as an Assistant Professor. He earned his Ph.D. in Chemistry with specialization in wastewater remediation, advanced functional materials, magnetic nanocomposites, green synthesis, biochar-based materials, and environmental chemistry. His research primarily focuses on developing sustainable and low-cost materials for wastewater treatment and environmental remediation.

Dr. Qaiyum has published around 30 research papers in reputed national and international peer-reviewed journals. His research has received more than 300 citations, with an h-index of 12, reflecting the impact and quality of his scholarly contributions. He is also the recipient of several research awards and recognitions presented at national and international scientific conclaves. As a committed academician, Dr. Qaiyum believes that effective education extends beyond classroom teaching. He actively mentors students in research projects, scientific writing, seminars, workshops, conferences, and innovation-based activities, inspiring them to develop curiosity, creativity, and scientific excellence. Through his leadership, the department aspires to make significant contributions to science education, environmental sustainability, and the socio-economic development of the Santhal Pargana region and beyond.

Dr. Md. Atif Qaiyum
Assistant Professor
Head of the Department

गणित विभाग

गणित विभाग एस.आर.टी. कॉलेज, धमड़ी के अग्रणी विभागों में से एक है। अपनी स्थापना से ही यह विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुसंधान तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए समर्पित रहा है। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को गणित के विभिन्न क्षेत्रों में सुदृढ़ ज्ञान प्रदान करना, उनकी तार्किक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास करना तथा उन्हें उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। विभाग छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव और विषय की गहन समझ भी प्रदान करता है। आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभाग में विभिन्न सॉफ्टवेयरों एवं उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। LATEX, SCILAB तथा अन्य गणितीय सॉफ्टवेयरों के माध्यम से विद्यार्थियों को गणनात्मक तकनीकों, डेटा विश्लेषण तथा वैज्ञानिक लेखन का प्रशिक्षण दिया जाता है।

विभाग का लक्ष्य विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर उन्हें समाज, शिक्षा जगत तथा विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में सफल एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में स्थापित करना है।

फैकल्टी प्रोफाइल :

डॉ. धीरेंद्र एक अनुभवी एवं योग्य सहायक प्राध्यापक तथा शोधकर्ता हैं, जो विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय से M.SC. एवं PH.D. की उपाधियाँ प्राप्त की हैं। डॉ. धीरेंद्र अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उनके अनेक शोध-पत्र उच्च इंपैक्ट वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके शोध कार्यों का उपयोग पर्यावरण विज्ञान, भू-विज्ञान तथा चिकित्सा विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। उनके प्रमुख शोध रुचियों में द्रवगतिकी (FLUID DYNAMICS), बाउंडरी लेयर फ्लो (BOUNDARY LAYER FLOW), नैनोफ्लुइड्स (NANOFLUIDS), स्थिरता विश्लेषण (STABILITY ANALYSIS) तथा संख्यात्मक विधियाँ (NUMERICAL METHODS) शामिल हैं। डॉ. धीरेंद्र ने CSIR-NET जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। अपने ज्ञान, शोध-कौशल एवं समर्पण के बल पर वे शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं तथा विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

Dr. Dhirendra Kumar
Assistant Professor
Head of the Department

Department of Life Science

Life Science जीवित प्राणियों और उनके जीवन की प्रक्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन है। इसके अंतर्गत सूक्ष्म जीवों (Microorganisms) और पौधों (Botany) से लेकर मनुष्यों और जानवरों (Zoology) तक, जीवन के सभी रूपों का गहराई से अध्ययन किया जाता है।

मुख्य अध्ययन क्षेत्र (Core Areas of Study) :

कोशिकीय और आणविक जीव विज्ञान (Cell and Molecular Biology) : जीवन की सबसे छोटी इकाई 'कोशिका' (cell) की संरचना, डीएनए (DNA) और आनुवंशिकी (genetics) का अध्ययन।

शरीर क्रिया विज्ञान (Physiology & Anatomy) : विभिन्न जीवों के अंगों और उनके

शरीर की कार्यप्रणाली को समझना।

पारिस्थितिकी और पर्यावरण (Ecology & Evolution) : जीवों का उनके पर्यावरण के साथ संबंध और समय के साथ जीवों में हुए क्रमिक विकास (Evolution) का अध्ययन।

जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology) : मानव कल्याण, स्वास्थ्य और कृषि में जैविक प्रणालियों (biological systems) का व्यावहारिक उपयोग।

करियर और भविष्य की संभावनाएं :

यह विषय छात्रों के लिए रिसर्च, मेडिकल साइंस, फार्मास्यूटिकल्स, एग्रीकल्चर, जेनेटिक्स और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में करियर के बेहतरीन अवसर खोलता है।

NEP-2020

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2023-नई शिक्षा नीति
National Education Policy - NEP 5+3+3+4

21वीं सदी के 20 वे साल में भारत में नई शिक्षा नीति आई है। भारत में सर्वप्रथम 1968 में नई शिक्षा नीति बनाई गई थी उसके बाद 1986 में बनाई गई जिसके बाद नई शिक्षा नीति को 1992 में सांशोधित किया गया। लगभग 34 साल बाद 2020 में पुनः नई शिक्षा नीति को लेकर अहम बदलाव किए गए हैं। जिसमें शिक्षा सम्बन्धित बहुत से नियमों में बदलाव किया गया है। वही हाल ही में मानव संसाधन प्रबंधन मंत्रालय ने शिक्षा नीति में बदलाव के साथ-साथ अपने मंत्रालय का नाम भी बदल दिया है, मानव संसाधन प्रबंधन मंत्रालय को अब शिक्षा मंत्रालय के नाम से जाना जाएगा। NATIONAL EDUCATION POLICY तहत शिक्षकों के लिए व्यसायिक विकास को जरुरी कर दिया गया है और शिक्षकों के लिए सर्विस ट्रेनिंग का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जायेगी।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी
New National Education Policy

ISRO प्रमुख डॉक्टर के कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में शिक्षा नीति को लेकर नई समिति का गठन किया गया था और मई 2019 में कस्तूरीरंगन समिति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का नया रूप सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसे बुधवार को कैबिनेट बैठक के दौरान सरकार द्वारा मंजूरी दे दी गई है। वर्ष 1986 के बाद भारत में यह तीसरी शिक्षा नीति है जो भारत में लागू होने जा रही है। जिसके तहत EDUCATION POLICY में बहुत से बदलाव किये जा रहें हैं। आर्टिकल के माध्यम से नेशनल एजुकेशन पालिसी (नई शिक्षा नीति) की सभी जानकारियां नीचे दी जा रही हैं।

नई शिक्षा नीति / नेशनल एजुकेशन पालिसी (NEP) क्या है ?

नई शिक्षा नीति के तहत 2030 तक शैक्षिक प्रणाली को निश्चित किया गया है और वर्तमान में चल रही 10+2 के मॉडल के स्थान पर पाठ्यक्रम में 5+3+3+4 की शैक्षिक प्रणाली के आधार पर पाठ्यक्रम को विभाजित किया जाएगा। नई शिक्षा नीति 2020 के लिए केंद्र तथा राज्य सरकार के निवेश का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है जिसमें केंद्र तथा राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र सहयोग के लिए देश की 6% जीडीपी के बराबर शिक्षा क्षेत्र में निवेश करेगी।

नई शैक्षणिक और पाठ्यक्रम ढांचा :

SECONDARY: 4 YEARS (CLASS 9 TO 12) (AGES 14-18)
MIDDLE: 3 YEARS (CLASS 6 TO 8) (AGES 11-14)
PREPARATORY: 3 YEARS (CLASS 3 TO 5) (AGES 8-11)
FOUNDATIONAL:
2 YEARS (CLASS 1 & 2) (AGES 6-8)
3 YEARS (ANGANWADI PRE SCHOOL/BALVATIKA) (AGES 3-6)

पिछला अकादमिक ढांचा :
10 (AGES 6-16)
2 (AGES 16-18)

एनईपी (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के उद्देश्य :

NEW NATIONAL EDUCATION POLICY का उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्र में भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाना है और भारत के लिए नई शैक्षिक नीतियां के माध्यम से संपूर्ण भारत में शिक्षा का उचित स्तर प्रदान करना है जिससे शैक्षिक क्षेत्र की गुणवत्ता उच्च हो सके। भारत में बच्चों को तकनीकी तथा रचनात्मकता के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता का महत्व से अवगत कराना नई शिक्षा नीति का उद्देश्य है जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सके। शिक्षा में गुणवक्ता लाने के लिए यह केंद्र सरकार के तहत नई शिक्षा नीति को शुरू किया गया है।

NATIONAL EDUCATION POLICY (NEP) 5+3+3+4 STRUCTURE की विशेषता :

- नई शिक्षा नीति स्वतंत्र भारत के तीसरी शिक्षा नीति है जिसमें बुनियादी तौर पर बदलाव किए गए हैं।
- नई शिक्षा नीति के तहत शैक्षिक क्षेत्र को तकनीकी से भी जोड़ा जाएगा जिसमें सभी स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल इक्विपमेंट दिए जाएंगे।
- मानव जीवन के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति को लागू किया गया है।
- नई शिक्षा नीति में सभी प्रकार की शैक्षिक विषय वस्तु को प्रमुखता उस क्षेत्र की क्षेत्रीय भाषा में भी अनुवाद किया जाएगा जिससे शैक्षिक क्षेत्र में क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा मिल सके।
- छठवीं कक्षा से बच्चों को व्यवसायिक परीक्षण इंटर्नशिप दे दी जाएगी।
- नई शिक्षा नीति के भीतर अब पढ़ाई में कई प्रकार के अन्य विकल्प बच्चों को दिए जाएंगे। अब दसवीं कक्षा में अन्य विकल्पों को भी रखा जाएगा जिसमें छात्र कोई स्ट्रीम ना चुनकर अपनी इच्छा अनुसार विषयों को चुन सकेगा।
- नई शिक्षा नीति के अंतर्गत छात्रों को छठी कक्षा से ही कोडिंग सिखाई जाएगी।
- शैक्षिक क्षेत्र में वर्चुअल लैब को भी बनाया जाएगा जिससे शैक्षिक क्षेत्रों की गुणवत्ता को उच्च किया जा सके।
- नई शिक्षा नीति के तहत वर्षों से चली आ रही 10 2 के शैक्षिक पैटर्न को बदलकर 5334 के नए शैक्षिक पैटर्न को चुना गया है जिसमें 3 साल की फ्री NEW EDUCATION POLICY PDF (NEP) • नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020 नई शिक्षा नीति NATIONAL EDUCATION POLICY स्कूली शिक्षा बच्चों को दी जाएगी।
- नई शिक्षा नीति के भीतर शिक्षा का सार्वभौमीकरण किया जाएगा जिसमें कुछ शैक्षिक क्षेत्रों को शामिल नहीं किया गया है जैसे मेडिकल तथा लॉ।

नई शिक्षा नीति के मुख्य तथ्य :

- नई शिक्षा नीति के माध्यम से एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट का गठन किया जाएगा जिसमें छात्रों द्वारा परीक्षा में प्राप्त किए गए क्रेडिट को डिजिटल अकेडमी क्रेडिट बनाया जाएगा और विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों के माध्यम से इन क्रेडिट को संग्रहित कर छात्र के अंतिम वर्ष की डिग्री में स्थानांतरित करके सभी क्रेडिट को एक साथ जोड़ा जाएगा।
- नेशनल एजुकेशन पालिसी के अंतर्गत शैक्षिक पाठ्यक्रम को लचीला बनाए जाने की हर संभव कोशिश की जा रही है। यदि कोई छात्र किसी शैक्षिक कोर्स में रुझान ना रखने के कारण उस शैक्षिक कोर्स के बीच में दूसरा कोर्स पढ़ना चाहता है तो वह अपने पहले कोर्स से निश्चित समय अवधि तक रुक कर दूसरा कोर्स ज्वाइन कर सकता है।
- नई शिक्षा नीति के तहत 2030 तक हर जिले में उच्च शिक्षा संस्थान का निर्माण किया जाना नई शिक्षा नीति के भीतर सम्मिलित है।
- नई शिक्षा नीति के भीतर 2040 तक सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को बहू विषयक शैक्षिक पाठ्यक्रम संस्थान बनाने का उद्देश्य रखा गया है।
- नई शिक्षा नीति के भीतर स्नातक कोर्स को 3 से 4 साल तक बढ़ा जा सकता है जिसमें छात्रों को बहु विकल्प प्रदान किए जाएंगे। इन सभी बहु विकल्पों के उचित प्रमाण पत्र के अनुसार छात्रों को डिग्री दी जाएगी। उदाहरण यदि कोई छात्र 1 साल के लिए स्नातक कोर्स की पढ़ाई करता है तो उसे केवल एक साल की पढ़ाई का ही प्रमाण पत्र दिया जाएगा और 2 साल बाद उसे एडवांस डिप्लोमा का प्रमाण पत्र दिया जाएगा और 3 साल बाद उचित प्रमाणों के आधार पर उसे डिग्री दी जाएगी अंत में 4 साल के बाद छात्र को बैचलर डिग्री के साथ-साथ रिसर्च की डिग्री भी दी जाएगी।
- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के प्रवेश के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा को आयोजित करेगी जिससे शिक्षा का स्तर बनाया जा सके।
- नई शिक्षा नीति के तहत सरकारी तथा प्राइवेट संस्थानों को एक समान माना जाएगा।
- नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय उच्च शिक्षा आयोग को 4 वर्टिकल दिए गए हैं। जिसमें नेशनल हायर एजुकेशन रेगुलेटरी काउंसिल, हायर एजुकेशनल काउंसिल, जर्नल एजुकेशन काउंसिल तथा नेशनल एक्रीडिटेशन काउंसिल को रखा गया है।

महाविद्यालय की संस्थाएँ

पुस्तकालय

महाविद्यालय में अध्ययन करने वालों छात्र-छात्राओं का एक महत्त्वपूर्ण अंग इसका पुस्तकालय है। एस.आर.टी कॉलेज का पुस्तकालय N-LISTED है, जिसमें सभी छात्रों को जुड़ना अनिवार्य है।पुस्तकालय का कार्ड खो जाने अथवा क्षतिग्रस्त होने की अवस्था में नया कार्ड उचित शुल्क जमा करने पर प्राप्त हो सकेगा। कार्ड खो जाने की सूचना यथाशीघ्र पुस्तकालय प्रभारी प्राध्यापक को दें। महाविद्यालय छोड़ने की अवस्था में कार्ड कार्यालय में जमा कर देना है। पुस्तकालय से एक बार में अधिक से अधिक निम्नलिखित संख्या में पुस्तक निर्गत करा सकते हैं

- छात्र : एक पुस्तक
- शिक्षक : दस पुस्तक
- शिक्षकेत्तर कर्मचारी तृतीय वर्ग : दो पुस्तक
- चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी : दो पुस्तक

शिक्षकों को छोड़कर अन्य सभी को पुस्तकें पन्द्रह दिनों के भीतर लौटा देनी होगी। शिक्षकों को पुस्तकें एक माह के लिए दी जायेंगी और वे पुस्तकालय पंजी में हस्ताक्षर कर पुस्तकें प्राप्त करेंगे। जिन पुस्तकों का उपयोग शिक्षक छात्रों के सामान्य शिक्षण के लिए करेंगे वे पुस्तकें बाद में भी लौटायी जा सकेंगी। शिक्षकों के लिए आवश्यकतानुसार एक दिन के लिए भी पुस्तकें निर्गत होगी। दूसरे सदस्य विभागाध्यक्ष की अनुमति के बाद ही इसे प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकालय में पुस्तकें निश्चित तिथि तक नहीं लौटाने की स्थिति में छात्रों को प्रति पुस्तक 1.00 एक रुपये प्रति दिन की दर से दण्ड लगेगा। यदि पुस्तक 30 दिनों के भीतर नहीं लौटायी जा सकी तो पुस्तक का मूल्य और पच्चीस ₹ दण्ड स्वरूप वसूल किए जायेंगे।निम्नांकित पुस्तकें पुस्तकालय से निर्गत नहीं होंगी :-संदर्भ ग्रंथक्षतिग्रस्त पुस्तकेंपुरानी और दुर्लभ पुस्तकेंपत्रिकाअन्य विशिष्ट पुस्तकें शब्दकोश पुस्तक का रेखांकन करना या अन्य किसी प्रकार की क्षति करना दण्डनीय है। यह क्षति यदि पहले से की गई हो तो निर्गम कराने के पूर्व ही इसकी सूचना पुस्तकालय को दे देनी चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

एन.एस.एस. पदाधिकारी : श्री महेश्वर राम इन्दवार

भारत सरकार की युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय संबंधी योजनाओं के अन्तर्गत महाविद्यालय में एन0एस0एस0 की शाखा है। इसका उद्देश्य युवा वर्ग का व्यक्तित्व विकास, समाज के प्रति पर्यावरण संरक्षण, सहकारिता, शैक्षणिक अभिरुचि, रचनात्मक क्रियाशीलता एवं सामाजिक दायित्व को पूरा करना है। इस प्रकार की गतिविधियों छात्रों में अनुशासन, शारीरिक श्रम तथा सामाजिक निष्ठा का भाव जागृत करती है। छात्र – छात्राएँ NSS जुड़कर लाभ उठा सकते

महाविद्यालय खेल-कूद (SPORTS) : खेल-कूद प्रभारी : डॉ. देव

महाविद्यालय में एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, बैडमिन्टन, खो-खो, कबड्डी, लम्बी कूद, दौड़, कुश्ती, ऊँची कूद, शतरंज आदि खेलों की पर्याप्त सुविधा है। छात्र-छात्रा इसमें सक्रिय भाग ले सकते हैं। प्रत्येक सत्र में वार्षिक खेल-कूद समारोह आयोजित कराये जाते हैं। इस समारोह में सफल प्रतियोगी को पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसके अलावा इन्टर कॉलेज टूर्नामेंट, जो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कराये जाते हैं, जिसके सफल प्रतिभागी / खिलाड़ी को पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

कंप्यूटर प्रयोगशाला :

महाविद्यालय में एक सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है जो छात्रों को उच्च-प्रदर्शन वाले वर्कस्टेशन, विश्वसनीय इंटरनेट सुविधा और विशेष सॉफ्टवेयर प्रदान करती है। यह डिजिटल साक्षरता, कोडिंग और मल्टीमीडिया परियोजनाओं के लिए एक समर्पित केंद्र के रूप में कार्य करती है। ये सुविधाएं शिक्षार्थियों को सैद्धांतिक अवधारणाओं को आधुनिक करियर के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल में बदलने में सक्षम बनाती हैं।

छात्रवृत्ति प्रकोष्ठ (Scholarship Cell)

महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आर्थिक रूप से कमजोर, मेधावी तथा आरक्षित वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु महाविद्यालय में छात्रवृत्ति प्रकोष्ठ (Scholarship Cell) कार्यरत है। महाविद्यालय के माध्यम से केंद्र सरकार, राज्य सरकार, विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) तथा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा संचालित छात्रवृत्ति एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की जानकारी समय-समय पर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाती है। पात्र विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेज़ सत्यापन, ऑनलाइन पंजीकरण तथा आवेदन की प्रगति से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाता है।छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करना तथा आवश्यक दस्तावेज़, जैसे आधार कार्ड, बैंक पासबुक, आय प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), निवास प्रमाण-पत्र, पिछली परीक्षा की अंकतालिका एवं अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्र जमा करना अनिवार्य होता है।महाविद्यालय यह सुनिश्चित करता है कि सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी समय पर प्राप्त हो तथा वे निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकें। छात्रवृत्ति का अनुमोदन एवं वितरण संबंधित विभाग एवं सरकार के प्रचलित नियमों के अनुसार किया जाता है।

श्री नन्द लाल पासवान

महाविद्यालय छात्रवृत्ति नोडल पदाधिकारी

महाविद्यालय की महत्वपूर्ण समितियां एवं उनके सदस्य :

महाविद्यालय एण्टी रैगिंग प्रकोष्ठ :

- डॉ. शंभु कुमार सिंह, प्राचार्य
- श्री निमाईचन्द्र दास, प्रभारी एंटी रैगिंग
- श्री नीरज कुमार
- श्री महेश्वर राम इन्दवार
- डॉ. देवानन्द दास
- डॉ. जेबा अनवर
- डॉ. पल्लवी कुमारी
- श्री नन्द लाल पासवान
- श्रीमती एलिजाबेथ मरांडी

महाविद्यालय अनुशासन समिति :

- श्री महेश्वर राम इन्दवार
- डॉ. देवानन्द दास
- डॉ. जेबा अनवर
- डॉ. पल्लवी कुमारी
- श्री नन्द लाल पासवान
- श्रीमती एलिजाबेथ मरांडी

पुस्तकालय प्रभारी :

- श्री नीरज कुमार

महाविद्यालय अभिभावक समिति :

- श्री कैलाश राम
- श्री प्रेम शंकर मिश्रा
- श्री रामकिंकर ठाकुर
- श्री अनिल आनन्द नवनीत कुमार
- श्री विजय कुमार

महाविद्यालय यौन उत्पीड़न रोधी सेल :

- श्री नीरज कुमार
- श्री महेश्वर राम इन्दवार
- डॉ. जेबा अनवर, प्रभारी
- डॉ. पल्लवी कुमारी
- श्रीमती एलिजाबेथ मरांडी

महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रकोष्ठ :

- डॉ. देवानन्द दास
- डॉ. पल्लवी कुमारी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी
- श्री नन्द लाल पासवान
- श्रीमती एलिजाबेथ मरांडी

महाविद्यालय क्रीड़ा समिति :

- श्री नीरज कुमार
- श्री महेश्वर राम इन्दवार
- डॉ. देवानन्द दास
- श्री नन्द लाल पासवान
- श्री अमरजीत कुमार

महाविद्यालय में कार्यरत स्थायी चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी

श्री भवेश कुमार सिन्हा
चतुर्थ वर्गीय

श्री अजीत कुमार
प्रयोगशाला-वाहक

श्री अमरजीत कुमार
चतुर्थ वर्गीय

श्रीमती रीमा
चतुर्थ वर्गीय

महाविद्यालय में कार्यरत अनुबंधित तृतीय-चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी

श्री बबलू कुजूर
सामान्य कार्यालय

श्री जय कुमार राम
सामान्य कार्यालय

श्री मनोहर बास्की
लेखा कार्यालय

श्रीमती प्रिया कुमारी
पुस्तकालय

श्री हेमन्त कुमार
कम्प्यूटर शाखा

श्री संतोष कुमार
चतुर्थ वर्गीय

श्री राजेन्द्र बास्की
सफाई कर्मी

Organised by: SRT COLLEGE, DHAMRI
Seminar

में प्रशासनिक भवन के शिलान्यास समारोह में
अभिनन्दन

S.R.T. COLLEGE DHAMRI

Seminar

धमड़ी गोड्डा
शिलान्यास समारोह में

"विद्या ददाति विनयम्"

S.R.T. COLLEGE DHAMRI

Godda, Jharkhand - 814160

A Constituent Unit of

Sido Kanhu Murmu University, Dumka

OUR VISION

To be a centre of excellence in education that empowers minds, builds character and contributes to a better society.

OUR MISSION

To impart quality education, encourage holistic development and instill values of discipline, integrity and service.

Empowering Students, Enriching Futures,
Building a Stronger Tomorrow.

Godda, Jharkhand - 814160

website : srt.ac.in

srtcollege.dhamri.godda@gmail.com

Geeta Printing Press, BGP #9199933828